वर्ष 1990-91 के दौरान स्टील अथारिटी आफ इंडिया लि० (सेल) द्वारा निर्यात की गई इस्पात की मात्रा निम्नानुसार थी :-

(क) मृदु इस्पात--1,83,400 टन और

(ख) बैदाग इस्पात--3,800 टन

(ग) 1990-91 के दौरान "सेल" के संयंत्रों में विक्रय इस्पात की क्षमता तथा उत्पादन निम्नानुसार रहे : —

(हजार टन)

| संयंत्र | विक्रय इस्पात | | |
|---|---|---|---|
| | क्षमता | वास्तविक उत्पादन (1990-91) | क्षमता उपयोग प्रतिशत |
| भिलाई इस्पात संयंत्र | 3153 | 2795 | 89 |
| दुर्गापुर इस्पात संयंत्र | 938 | 727 | 78 |
| राउरकेला इस्पात संयंत्र | 1170 | 1087 | 93 |
| बोकारो इस्पात संयंत्र | 3156 | 2426 | 77 |
| इस्को | 339 | 329 | 97 |
| सेल | 8756 | 7364 | 84 |

**दूध के मूल्य**

1859. **सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :**
**श्री राम जेठमलानी :**

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली में मदर डेयरी द्वारा सप्लाई किए जाने वाले दूध के मूल्यों में हाल ही में और वृद्धि की गई है ;

(ख) यदि हां, तो दूध का वर्तमान प्रति-लीटर मूल्य क्या है ;

(ग) क्या बाजार में घी, मक्खन और दुग्धचूर्ण में वृद्धि के परिणामस्वरूप यह मूल्य-वृद्धि की गई है ; और

(घ) दुग्ध उत्पादकों को अगस्त, 1991 के माह में दूध का कितना अतिरिक्त मूल्य दिया गया था ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के०सी० लेंका) : (क) और (ख) जी, हां। 28-8-1991 से डबल टोन्ड दूध का मूल्य 6.00 रुपये प्रति लीटर और मानकीकृत दूध (पौलीपैक में) का मूल्य 8.50 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

(ग) दूध और श्वेत मक्खन और स्किम्ड दुग्ध चूर्ण जैसी अन्य जिन्सों के अधि-प्राप्ति मूल्यों में वृद्धि होने की वजह से मूल्यों में वृद्धि की गई है।

(घ) मदर डेयरी द्वारा राज्य सहकारी डेयरी संघ से अधिप्राप्त किये गये मिश्रित दूध (6.5% वसा और 9% एस० एन० एफ०) का मूल्य 1-8-1991 से 6.45 रुपये से बढ़कर 7.00 रुपये प्रति कि० ग्रा० किया गया था। इस मूल्य को 1.9.1991 से और अधिक बढ़ाकर 8.06 रुपये कर दिया गया है।